Downloaded From : http://cbseportal.com/

अत्यंत गोपनीय – केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

जुलाई, 2016–17

अंक –योजना – हिन्दी 'ऐच्छिक' कोड संख्या 29/1/1, 29/1/2, 29/1/3

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
2. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
3. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
5. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो अपेक्षाकृत अच्छे उत्तर पर अंक देकर दूसरे अतिरिक्त उत्तर को काट दिया जाए।
6. संक्षिप्त, परंतु उपयुक्त विवेचन के साथ, प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।
7. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटे जाएँ।
8. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 – का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा – जुलाई, 2016–2017

अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'

कक्षा – XII कूटबंध – 29/1/1
29/1/2
29/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				खंड 'क'	
1.	1.	2.	1.	अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–	15
	क	क	क	• अर्थशास्त्र • अर्थशास्त्र क्या है? (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)	1
	ख	ख	ख	• कौटिल्य के अनुसार अर्थ – राजनीति, नीति, पुरुषार्थ एवं मानव–मूल्य	2
	ग	ग	ग	• सबके हित को ध्यान में रखकर संग्रह तथा वितरण के कारण	2
	घ	घ	घ	• धन – सम्पत्ति, पदार्थ और समस्त चर्चा एवं ज्ञान का स्थूल विषय	2
	ङ	ङ	ङ	• लेन–देन में सामाजिक स्वीकृति और परस्पर विश्वास	2

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	च	च	च	आवश्यकता का औचित्य समझना और लेने वाले से वापसी का आश्वासन	2
	छ	छ	छ	आवश्यकतानुसार लिए गए धन के खर्च की उपयोगिता एवं क्षमता समझना	2
	ज	ज	ज	• उद्योगपतियों एवं प्रबुद्ध वर्गों द्वारा शान से कर्ज़ लेकर डकार जाना • उनकी इस प्रवृत्ति से बैंकों की व्यापार वृद्धि	2
2.	2.	1.	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर–	1x5=5
	क	क	क	• यमुना में बहुत तेज बाढ़ आने की कल्पना • सहज रूप से बाढ़ के पानी का उतर जाना	1
	ख	ख	ख	• न ये सपने अपने लगते हैं न पराए	1
	ग	ग	ग	• जीवन के सभी व्यापार अनसुलझे ही रहेंगे अतः स्वेच्छा से जीवन के कोरे कागज पर लिख लें।	1
	घ	घ	घ	• अलंकार – यमक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, मानवीकरण • मुहावरे का भाव – मुश्किलों से	1

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				साकार होने वाली कल्पनाएँ	
	ङ	ङ	ङ	• विशेष कर्म की ओर अग्रसर होना और उसे घटित होने देना	
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित : • भूमिका/उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 6 • भाषा शैली 2	10
4.	4.	4.	4.	पत्र–लेखन : • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • विषय–वस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5.	6.	5.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–	1X5=5
	क	क	क	किसी विषय विशेष जैसे राजनीतिक स्वास्थ्य, व्यापार, खेल आदि पर लेखन	1
	ख	ख	ख	शंका – संदेह करने पर ही वह घटना के कारणों की गहराई से जाँच–पड़ताल कर सकेगा	1
	ग	ग	ग	सम्पादक और उसकी टीम	1

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	घ	घ	घ	ए.बी.पी., न्यूज़ 18, (नेशनल ज्योग्रेफिक चैनल, डिस्कवरी चैनल आदि–आदि) (किन्हीं दो के नाम अपेक्षित)	1
	ङ	ङ	ङ	स्थायित्व, संग्रहणीयता, स्पष्टता, समय–असमय कहीं से भी पढ़ने की सुविधा	1
6.	6.	5.	6.	आलेख अथवा फीचर–लेखन : • प्रस्तुति 2 • विषय वस्तु 2 • भाषा 1	5
				खंड – 'ग'	
7.				काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या– संदर्भ (कवि और कविता का नाम) 1 प्रसंग 1 व्याख्या बिंदु 5 विशेष 1	8
	7.	–	–	यह समिधा ....दे दो। कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – यह दीप अकेला प्रसंग – कवि ने दीप के प्रतीक व्यक्ति की सत्ता को सामाजिक सत्ता के	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				साथ जोड़ने का प्रयास। व्याख्या बिंदु – • व्यक्ति की सत्ता – यज्ञ की हवन सामग्री • हठीले निराले व्यक्ति द्वारा ही अग्नि को प्रज्ज्वलित करना • स्वयं को अनुपम एवं अनोखा स्वीकारना • समाजिक सत्ता में स्वयं को विलीन कर 'स्व' का त्याग • गर्व और स्नेह से भरा दीप अकेला, इसे भी पंक्ति (सामाजिक सत्ता) में विलीन कर दो विशेष – • लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग • प्रतीकात्मक शैली • रूपक अलंकार • भाषा सहज, सरल एवं प्रवाहमयी	
	–	7.	–	एक बूँद.......................................दाग से। कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – मैंने देखा एक बूँद	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				प्रसंग – • मानव जीवन के प्रत्येक क्षण का महत्व • कवि को आत्मबोध – क्षणभंगुरता का आभास • बूँद व्यक्ति का प्रतीक और सागर समाज का व्याख्या बिंदु– • बूँद का चमककर समुद्र में विलीन हो जाना • विराट सत्ता का निराकार होना और मानव जीवन का विराट सत्ता में मिलन • मिलन के आलोक से दीप्त क्षण मानव को नश्वरता के दाग से मुक्त कर देना विशेष– • प्रयोगवादी शैली • प्रतीकात्मक प्रयोग • व्यक्तिवाद की प्रतिष्ठा • लाक्षणिकता • क्षणभंगुरता की प्रतिष्ठा	
	–	–	7.	यह मधु..................................शक्ति को दे दो।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – यह दीप अकेला प्रसंग – • व्यक्ति एक दीपक के समान अकेला, स्नेह, गर्व और अहम् भाव से पूर्ण • उसकी सार्थकता समाज में सम्मिलित होने से व्याख्या बिंदु– • काल के टोकरे में युग–युग एकत्रित हुआ मधु • जीवन रूपी कामधेनु का अमृतमय दूध • धरती का हृदय चीरकर निर्भयता से सूर्य की ओर देखने वाला अंकुर • प्रकृति के अनुरूप स्वयं पैदा हुआ ब्रह्म और सबसे अलग रूप वाले इस दीप रूपी व्यक्ति को समष्टि में मिलाकर सर्वशक्तिमान बना दो विशेष – • लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग • उपमा एवं रूपक अलंकार • तत्सम एवं प्रतीकात्मक शैली • व्यक्ति को समाज से जोड़ने का भाव	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
8.	8.	9.	8.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –	3+3=6
	क	क	क	भारत की विशेषताएँ– • प्राकृतिक सौन्दर्य अद्भुत एवं मधुमय • यहाँ सूर्य की पहली किरणों का पड़ना • अनजान व्यक्तियों को भी आश्रय मिलना • लोगों के हृदय दया, करुणा एवं सहानुभूति की भावना से ओतप्रोत • महान एवं गौरवशाली संस्कृति	3
	ख	ख	ख	• वियोग की पीड़ा झेलने को विवश एवं एकाकी जीवन बिताने में असमर्थ • नायिका का शरीर क्षीण हो जाना • नेत्रों से अविरल अश्रुधारा बहना • कोयल की कूक तथा भौरों की झंकार सुनते ही तुरंत कान बन्द कर लेना • प्रेम के स्वरूप का प्रतिक्षण बदलना अतः नायिका द्वारा प्रेम के अनुभव को बताने में असमर्थता	3
	ग	ग	ग	• व्यस्तता और मशीनी जीवन के कारण मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना • प्रकृति में आ रहे परिवर्तनों को न देख पाना, न अनुभव करना • चिंता का कारण – वसंत जैसी	3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				मादक ऋतु का भी दफ्तर की छुट्टी तथा कलेण्डर से पता चलना	
9.	9.	8.	9.	किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य— भाव सौन्दर्य – 1 शिल्प सौन्दर्य – 2	3+3=6
	क	क	क	भाव सौन्दर्य— • राम के प्रति अनन्य प्रेम के कारण भरत का पुलकित होकर सभा में खड़े हो जाना • उनके कमल नेत्रों में प्रेमाश्रुओं की बाढ़ आना शिल्प सौन्दर्य— • नीरज नयन नेह जल – रूपक, उपमा एवं अनुप्रास अलंकार • भाषा – अवधी • छंद – चौपाई • रस – शांत • छंदबद्ध काव्य पंक्तियाँ • भरत का भ्रातृस्नेह	
	ख	ख	ख	मामा–मामी.....................................व्यस्त;	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				भाव सौन्दर्य– • विवाहोपरान्त सरोज का अपनी नानी की स्नेहमयी गोद में शरण लेना • वहाँ मामा–मामी के भरपूर स्नेह की वर्षा शिल्प सौन्दर्य– • उपमा, दृष्टांत अलंकार • मामा–मामी, सदा समस्त – अनुप्रास अलंकार • संस्कृतनिष्ठ शब्दावली • छंदमुक्त कविता • भाषा सरल एवं सुबोध	
	ग	ग	ग	चढ़कर...लगाई। भाव सौन्दर्य– • प्रलय अर्थात दुख स्वयं देवसेना के जीवन रथ पर सवार • अपनी दुर्बलताओं और हारने की निश्चितता के बावजूद देवसेना का प्रलय से लोहा लेना शिल्प सौन्दर्य– • देवसेना की मनःस्थिति का यथार्थ वर्णन	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				• जीवन रथ – रूपक अलंकार • हारी होड़ – अनुप्रास अलंकार • निराशा और वेदना का मार्मिक चित्रण • भाषा में प्रतीकात्मकता, चित्रात्मकता एवं संगीतात्मकता	
10.				गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या – संदर्भ (लेखक व पाठ का नामोल्लेख) – 1 पूर्वापर प्रसंग – 1 व्याख्या बिंदु – 3 गद्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ – 1	6
	10.	–	–	संवदिया..................................सुना देगा। पाठ – 'संवदिया' लेखक – फणीश्वरनाथ 'रेणु' प्रसंग – हरगोबिन का बड़ी बहुरिया के मायके संदेश न सुना सकने पर आत्मग्लानि भरा चिंतन व्याख्या बिंदु– • संवदिया के खाने, सोने में मनमानी • बहुरिया के मायके संदेश न दे पाने के कारण नींद न आना • आत्म मंथन के उपरान्त संदेश सुना देने का निर्णय लेना	

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	—	10.	—	विशेष— • खड़ी बोली • वर्णनात्मक शैली • 'डटकर खाना', 'अफर कर सोना' — भाषा का विशेष प्रयोग • आत्मचिंतन आदमी...क्या कहेंगे? पाठ — 'संवदिया' लेखक — फणीश्वर नाथ 'रेणु' प्रसंग — लेखक का संवदिया के गुण—दोष का वर्णन व्याख्या बिंदु— • संवदिया के गुण — ईश्वर प्रदत्त • संवदिया का कार्य — बिना मज़दूरी लिए संदेश के शब्द, सुर, स्वर, लय, भाव को भी यथा संवाद कहना • गाँव के लोगों की संवदिया के प्रति आम धारणा — निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी विशेष— • खड़ी बोली • वर्णनात्मक शैली • लोकोक्ति — 'न आगे नाथ न पीछे पगहा' का प्रयोग	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

<table>
<tr><th rowspan="2">प्रश्न सं.</th><th colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</th><th rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</th><th rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</th></tr>
<tr><th>29/1/1</th><th>29/1/2</th><th>29/1/3</th></tr>
<tr><td></td><td>–</td><td>–</td><td>10.</td><td>• विशेषण शब्दों का प्रयोग
• ग्रामीण धारणा की पुष्टि

ये द्रष्टा.......................................दृढ़ता देता है।

पाठ – 'यथास्मै रोचते विश्वम्'
लेखक – रामविलास शर्मा
प्रसंग – लेखक का साहित्यकार को कर्तव्यों के प्रति सचेत करना।

व्याख्या बिंदु–
• पराधीनता और पराभव का पाठ पढ़ाने वाले साहित्यकारों को लेखक ने भविष्य की अपेक्षा अतीत की ओर देखने वाले द्रष्टा माना है।
• सच्चे साहित्य स्रष्टा – अहंवादी विकृतियाँ छोड़ समाज को देश प्रेम दृढ़ता और आत्मविश्वासी बनाता है।
• साहित्यकार का कार्य – समाज के क्रोध, असंतोष को प्रकट करने के साथ–साथ उन्हें आत्म विश्वास व दृढ़ता देना

विशेष–
• खड़ी बोली
• संस्कृतनिष्ठ भाषा
• लेखक के चिंतन प्रधान विचार
• साहित्यकार के मूल्यों का निर्धारण</td><td></td></tr>
</table>

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
11.	11. क ख	12. क ख	11. क ख	किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित – • लेखक द्वारा हिन्दी–उर्दू दोनों भाषाओं का प्रयोग • गद्य की खड़ी बोली में सभी लेखकों ने हिन्दी–उर्दू दोनों का समान रूप से प्रयोग किया था • हिन्दी–उर्दू दोनों भाषाएँ अलग–अलग मान्य • हिन्दुस्तानी भाषा की ये दोनों शैलियाँ हो सकती है। (विद्यार्थियों के उपयुक्त विचार भी स्वीकार्य) • लेखक ने प्रयाग संग्रहालय के लिए पसोवा, कौशांबी, मद्रास (चेन्नई) तथा प्रयाग के आस–पास कई स्थानों में घूम–घूमकर मूर्तियाँ, सिक्के, मनके, मोहरे, मृण्मूर्तियाँ, हस्तलिखित पुस्तकें आदि एकत्रित किए। • व्यास जी की सबसे बड़ी देन इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय • पुरातन संबंधी संग्रहालय की विभिन्न धरोहर–सामग्री का संकल्प बगैर विशेष व्यय के कर पाना व्यास जी	4+4=8 4 4

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	ग	ग	ग	का अपना विशिष्ट कौशल है। • 'शेर' व्यवस्था का प्रतीक। • व्यवस्था तभी तक खामोश जब तक उसकी आज्ञाओं, इच्छाओं का पालन होता रहे संदेश– • विरोध होने पर व्यवस्था का शेर की तरह मुँह फाड़ लेना तथा आक्रमक होना निश्चित • अन्यायी सत्ता को उखाड़ फेंकने का प्रयास करते हुए अपना रास्ता स्वयं बनाना	4
12.				<u>जीवन परिचय</u> • संक्षिप्त जीवन परिचय 2 • रचनाएँ 1 • काव्यगत विशेषताएँ/भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण 3	6
	12.	12.	12.	<u>निर्मल वर्मा</u> जन्म एवं जीवन परिचय – • शिमला में जन्म। • दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया और फिर अध्यापन	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				कार्य • चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य–विद्या संस्थान प्राग के आमंत्रण पर वहाँ गए। रचनाएँ – 'जलती झाड़ी', 'परिंदे', 'वे दिन', 'शब्द और स्मृति', 'ढलान से उतरते हुए' आदि। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा–शैली में एक अनोखी कसावट • विचार–सूत्र की गहनता को विविध उद्धरणों से रोचक बनाना • शब्द चयन में जटिलता न होते हुए भी उनकी वाक्य–रचना में मिश्र और संयुक्त वाक्यों की प्रधानता • उर्दू और अंग्रेजी शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग • भाषा–शैली में अनेक नवीन प्रयोग **<u>हजारी प्रसाद द्विवेदी</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • आरत दूबे के छपरा गाँव, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश में जन्म। • काशी से शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण, काशी हिंदू विश्वविद्यालय से	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				ज्योतिषाचार्य की उपाधि प्राप्त की। • 1950 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष बने। • 1952–53 में काशी नागरी प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष • 1955 में प्रथम राजभाषा आयोग के सदस्य राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त • उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, लखनऊ विश्वविद्यालय से डी.लिट् की उपाधि तथा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित • संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, बाँग्ला आदि तथा अनेक विषयों – इतिहास, दर्शन, संस्कृति, धर्म आदि का भी विशेष ज्ञान रचनाएँ – 'अशोक के फूल', 'विचार और वितर्क', 'कल्पलता', 'कुटज', 'आलोक पर्व', 'बाणभट्ट की आत्मकथा', 'अनामदास का पोथा', साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा सरल और प्रांजल • व्यक्तित्व – व्यंजकता और आत्मपरकता उनकी शैली की विशेषता	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

<table>
<tr><td rowspan="2">प्रश्न सं.</td><td colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</td><td rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</td><td rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</td></tr>
<tr><td>29/1/1</td><td>29/1/2</td><td>29/1/3</td></tr>
<tr><td></td><td>अथवा</td><td>अथवा</td><td>अथवा</td><td>• व्यंग्य शैली के प्रयोग से उनके निबंधों पर पांडित्य का बोझ नहीं
• हिन्दी की गद्य शैली को एक नया रूप

<u>अथवा</u>

<u>मलिक मुहम्मद जायसी</u>

जन्म एवं जीवन परिचय–
• अमेठी उत्तर प्रदेश के निकट जायस गाँव में जन्म
• जायस में जन्म होने के कारण जायसी
• पिता की मृत्यु के कारण पालन–पोषण ननिहाल में
• सैय्यद अशऱफ और शेख बुरहान से शिक्षा प्राप्त की
• सूफी संत परंपरा में

रचनाएँ–
• पद्मावत
• अखरावट
• आखिरी कलाम आदि

साहित्यिक विशेषताएँ–
• मसनवी शैली</td><td></td></tr>
</table>

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				• ठेठ अवधी भाषा से उत्कृष्ट साहित्य की रचना • सूफी प्रेममार्गी कवि • प्रेम का लोकधर्मी रूप • दोहा–चौपाई छंद का प्रयोग • प्रौढ़ और गंभीर काव्य–शैली • मुहावरे, लोकोक्तियाँ तथा अलंकारों का प्रयोग **<u>केदार नाथ सिंह</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म बलिया जिले के चेकिया गाँव में • काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम.ए. तथा पी.एच.डी. की उपाधि • गोरखपुर में हिन्दी के प्राध्यापक फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर • आजकल दिल्ली में स्वतंत्र लेखन रचनाएँ– 'अकाल में सारस', 'अभी बिलकुल अभी', 'जमीन पक रही है', 'यहाँ से देखो', आलोचनात्मक पुस्तक – 'कल्पना और छायावाद', निबंध संग्रह–'मेरे समय के शब्द' साहित्यिक विशेषताएँ–	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				• कविताओं में बिंब–विधान • मानवीय संवेदनाएँ और विचार बोध • शिल्प में बातचीत की सहजता और अपनापन	
13.	13.	13.	13.	सूरदास के जीवन से प्राप्त जीवन–मूल्य– • हार न मानने की प्रवृत्ति • सत्य–अहिंसा से भरा व्यक्तित्व • प्रतिकार की भावना से दूर • क्षमाशील, सहिष्णु व आशावादी • पुनर्निर्माण एवं जिजीविषा की भावना • संघर्षशील, आत्मविश्वासी • निर्णय लेने की पूर्ण क्षमता आज के संदर्भ में इन सभी नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, मानवता का विकास संभव (जीवन–मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट करने के संदर्भ में विद्यार्थियों के स्वतंत्र विचार भी मान्य)	5
14.	14.	14.	14.	दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–	5+5=10
	क	क	क	• लेखक ने 'अपना मालवा' के माध्यम से मौसम, ऋतुएँ, नदियाँ, जन जीवन तथा संस्कृति आदि के मुद्दों को	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				उठाया है। • अतिवृष्टि, नदियों में बाढ़, यातायात के साधन ठप • मालवा में पहले जैसा पानी अब नहीं गिरता • पर्यावरण असंतुलित, औद्योगिक विकास के कारण नदियों का गंदे नालों में बदलना • खाऊ–उजाड़ू सभ्यता यूरोप तथा अमेरिका की देन समाधान– • पर्यावरण के प्रति लोगों को सचेत करना • जीवन पद्धति में 'सादा जीवन उच्च विचार' की भावना लाना • प्रकृति की रक्षा और उससे तादात्म्य	5
	ख	ख	ख	प्रमुख पात्र – भूप दादा जीवन संघर्ष– • भाई के शहर की ओर पलायन से भूप दादा का अकेले पड़ जाना • भू–स्खलन से घर, खेती का सर्वनाश, माता–पिता की मृत्यु • भू–स्खलन से फैले मलबे को हटाना	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				• पहाड़ों की विषम परिस्थितियाँ सहकर भी अपनी जन्मभूमि न छोड़ना, उससे प्यार • घर तथा खेतों को ढलवां बनाना, झरने को मोड़कर खेतों तक लाना • पत्नी की आत्महत्या और नाबालिग बेटे का घर छोड़ जाने के दर्द से भी संघर्ष का बढ़ना • रोटी, कपड़ा, मकान तीनों की अभाव–ग्रस्त स्थिति के उपरान्त भी कठोर परिश्रम	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE